बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

एक प्रिय पुत्र का एक दास बन जाना

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Byron Unger; Lazarus

रूपान्तरकार: M. Kerr; Sarah S.

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2014 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

इसहाक बहुत खुश था। उसका पुत्र याकूब ही उसके लिए सबकुछ था। यहां तक कि एसाव अपने भाई का स्वागत किया जिसे वह एक बार जान से मारने की कसम खाई थी। परन्तु याकूब के पुत्र खुश नहीं थे क्योंकि यूसुफ, उनका
छोटा भाई, पिता का बेहद प्रिय था।

यूसुफ, जब अपने सपनों को उन्हें बताया तो उसके भाई उससे और अधिक क्रोधित हो गए। यूसुफ ने कहा, "अनाज का मेरा पूला लंबा खड़ा था और मेरे भाइयों की पूलों की ढेरें उसके सम्मान में झुकीं थी।" इस सपने का मतलब यह था कि यूसुफ अपने भाइयों से अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा।

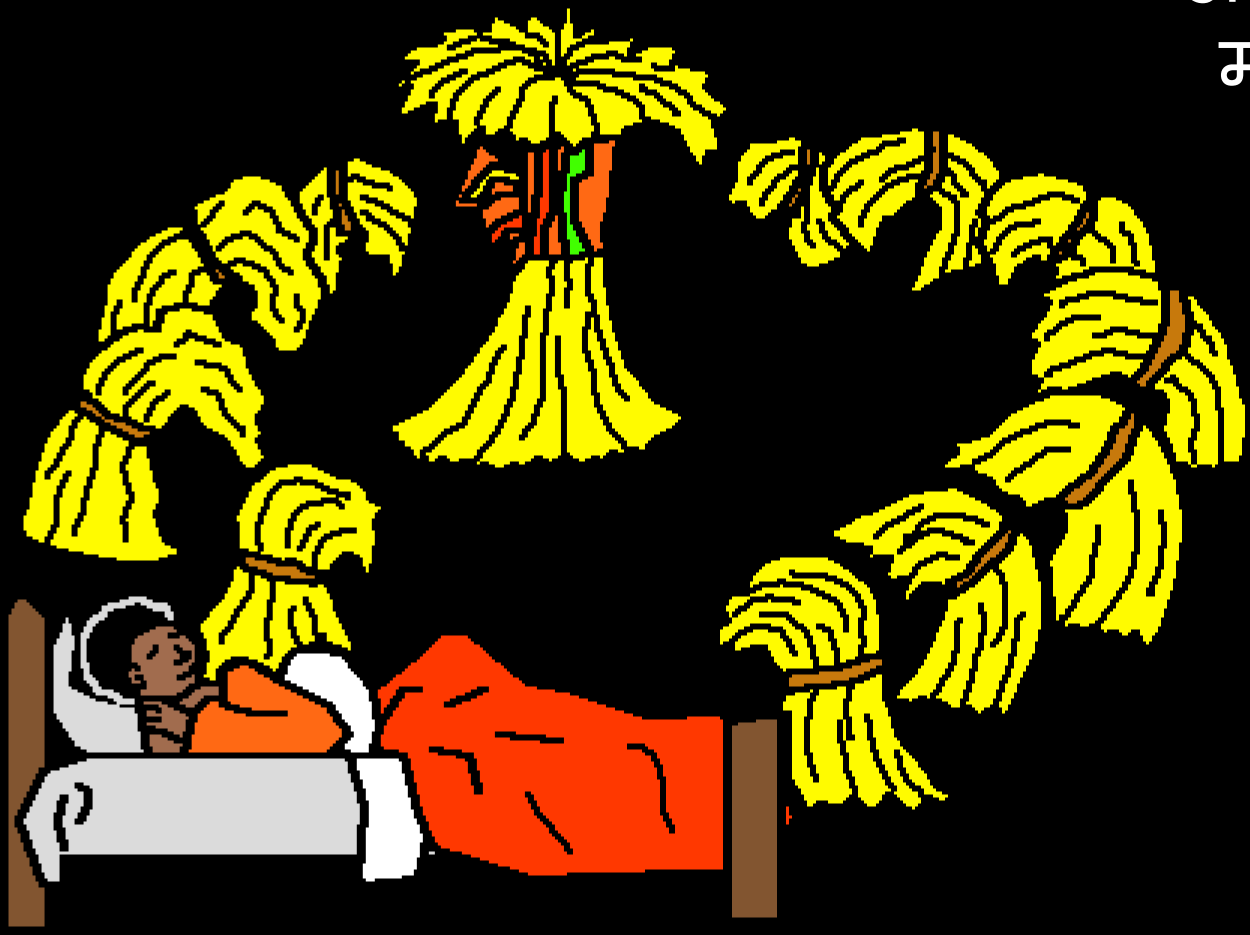

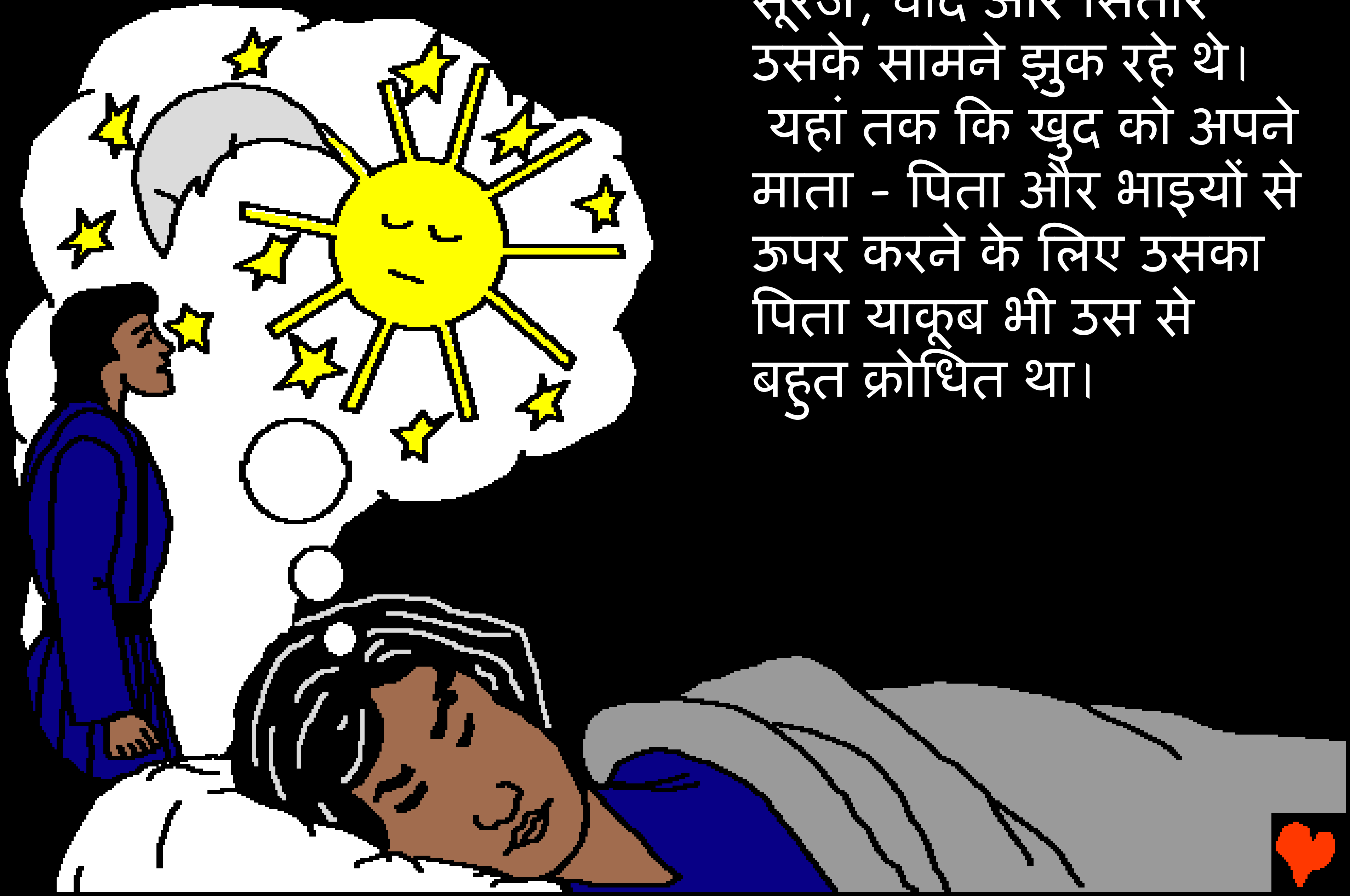

यूसुफ के दूसरे सपने में, सूरज, चांद और सितारे उसके सामने झुक रहे थे। यहां तक कि खुद को अपने माता - पिता और भाइयों से ऊपर करने के लिए उसका पिता याकूब भी उस से बहुत क्रोधित था।

एक दिन याकूब, यूसुफ को उसके भाइयों के पास चारागाह में भेजा जहाँ वे अपनी भेड़ चरा रहे थे। भाईयों ने उसे आते देख, धीरे धीरे बोले, "चलो इस सपना देखनेहारे को मार डालते हैं।" यूसुफ को उसके सामने के खतरे के बारे में कुछ पता नहीं था।

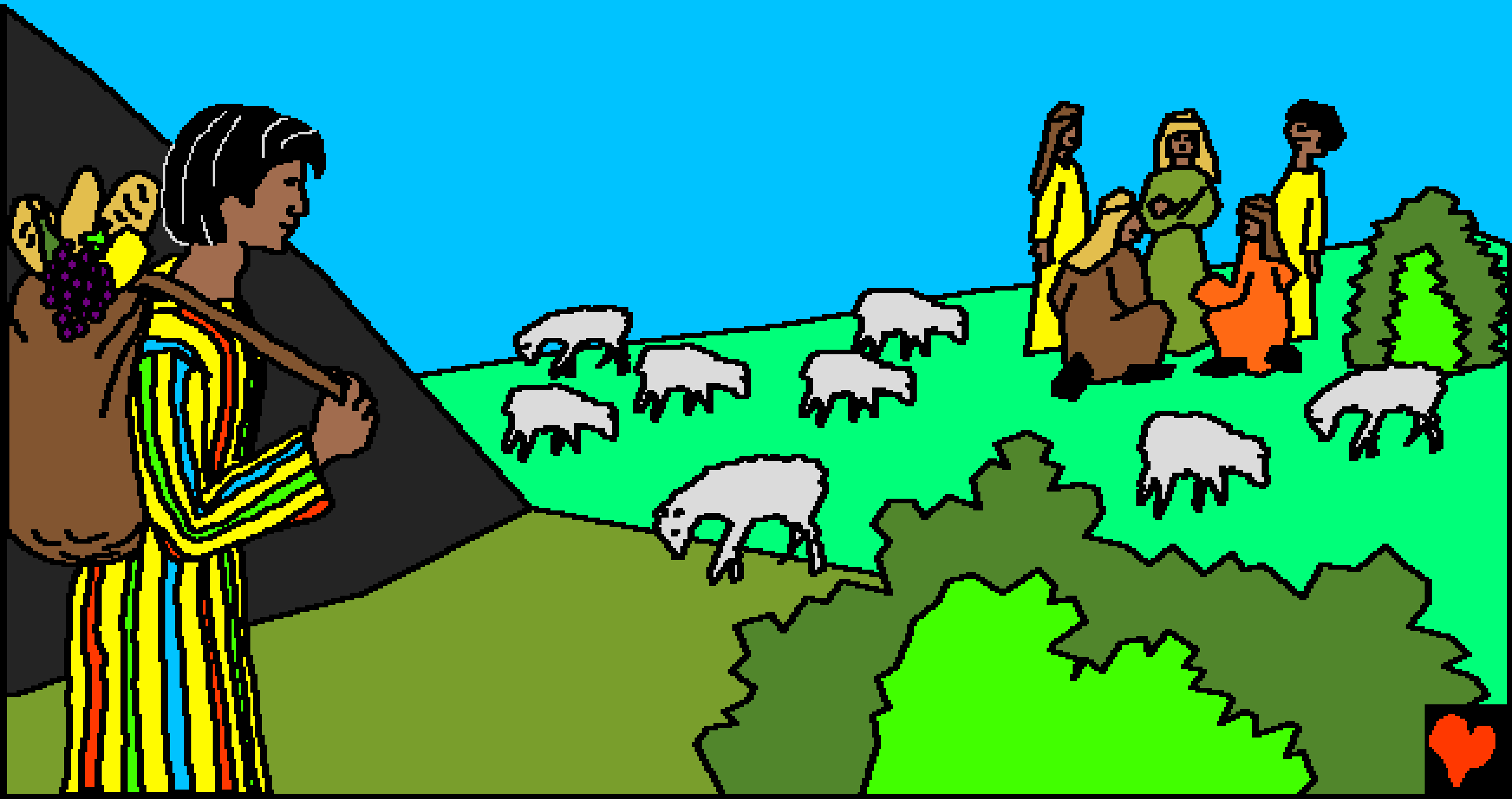

रूबेन सबसे बड़ा भाई असहमति जतायी। उसने कहा, "हमें खून नहीं बहाना चाहिए।" देखो, "यहाँ एक गड्ढा है।" उसे वहाँ मरने दो! रूबेन, "संध्या होने पर यूसुफ को बचाने के लिए एक योजना बनायी।"

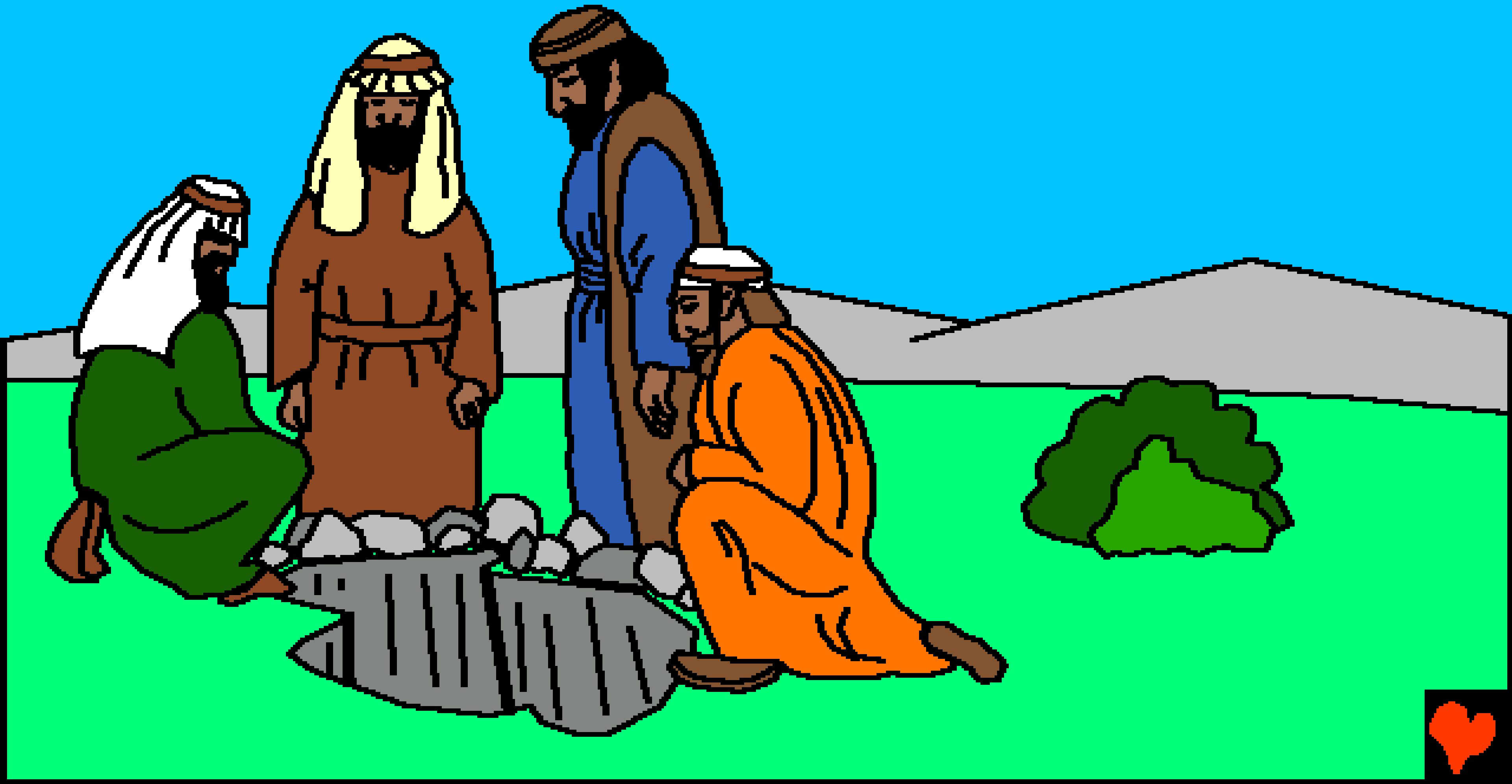

जब यूसुफ वहाँ पहुंचा, उसके भाईयों ने उसे झट पकड़ लिया, और रंग बिरंगा विशेष कोट जो याकूब ने अपने प्रिय बेटे के लिए बनायी थी, उसे उतार लिए। तब वे यूसुफ को उस भयानक गड्ढे में फेंक दिये।

रूबेन की अनुपस्थित में ऊंटों की एक कारवां दूर मिस्र के लिए अपने रास्ते पर निकट से होकर गुजर रही थे। "यूसुफ को बेच देतें हैं," यहूदा, उसका भाई गिड़गिड़ा कर कहा। सौदा तय हो गया।

वे चांदी के बीस टुकड़ों के लिए यूसुफ को बेच दिये।

लड़खड़ाते ऊंट उसे अपने परिवार और मातृभूमि से
दूर ले जाने लगे परन्तु यूसुफ शोकाकुल, भयभीत
और असहाय होकर नम आखों
से देखाता रहा।

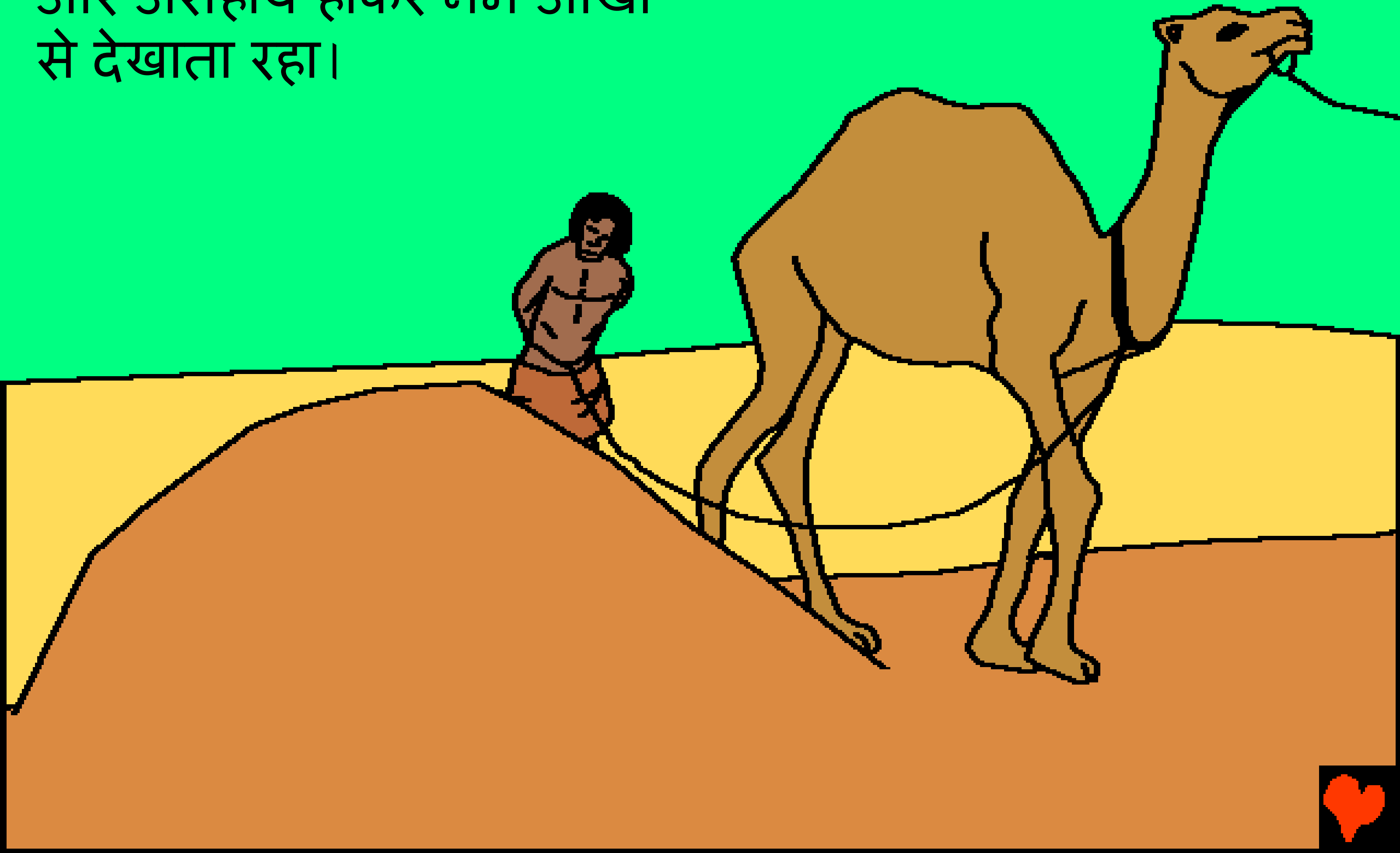

"क्या, यह यूसुफ का कोट है? यह खून से सना हुआ है। हमने इसे रेगिस्तान में पाया।" क्रूर भाइयों ने याकूब को विश्वास करने के लिए बहकाया कि उसके प्रिय पुत्र को कोई जंगली जानवर मार डाला है। याकूब अपने कपड़े फाड़े और विलाप करने लगा। कोई भी उसे शान्त्वना न दे सका।

मिस्र में, यूसुफ भयभीत और अकेला महसूस किया होगा। शायद वह अपने घर के लिए तरसता होगा। लेकिन वह वहां से बच नहीं सका। वह मिस्र में पोतीपर नामक एक महत्वपूर्ण व्यक्ति के घर में एक दास था। पोतीपर ने यह देखा की यूसुफ हमेशा कड़ी मेहनत करता है और उसपर भरोसा भी किया जा सकता है।

पोतीपर एक दिन यूसुफ से कहा, "तुम जो कुछ भी करते हो हमेशा सब अच्छा ही होता है। परमेश्वर तुम्हारे साथ है।" मैं तुम्हे अपना मुख्य सेवक बनाना चाहता हूँ, "अबसे तुम मेरे सभी व्यावसाय के प्रभारी और सभी अन्य नौकरों के मालिक होगे।"

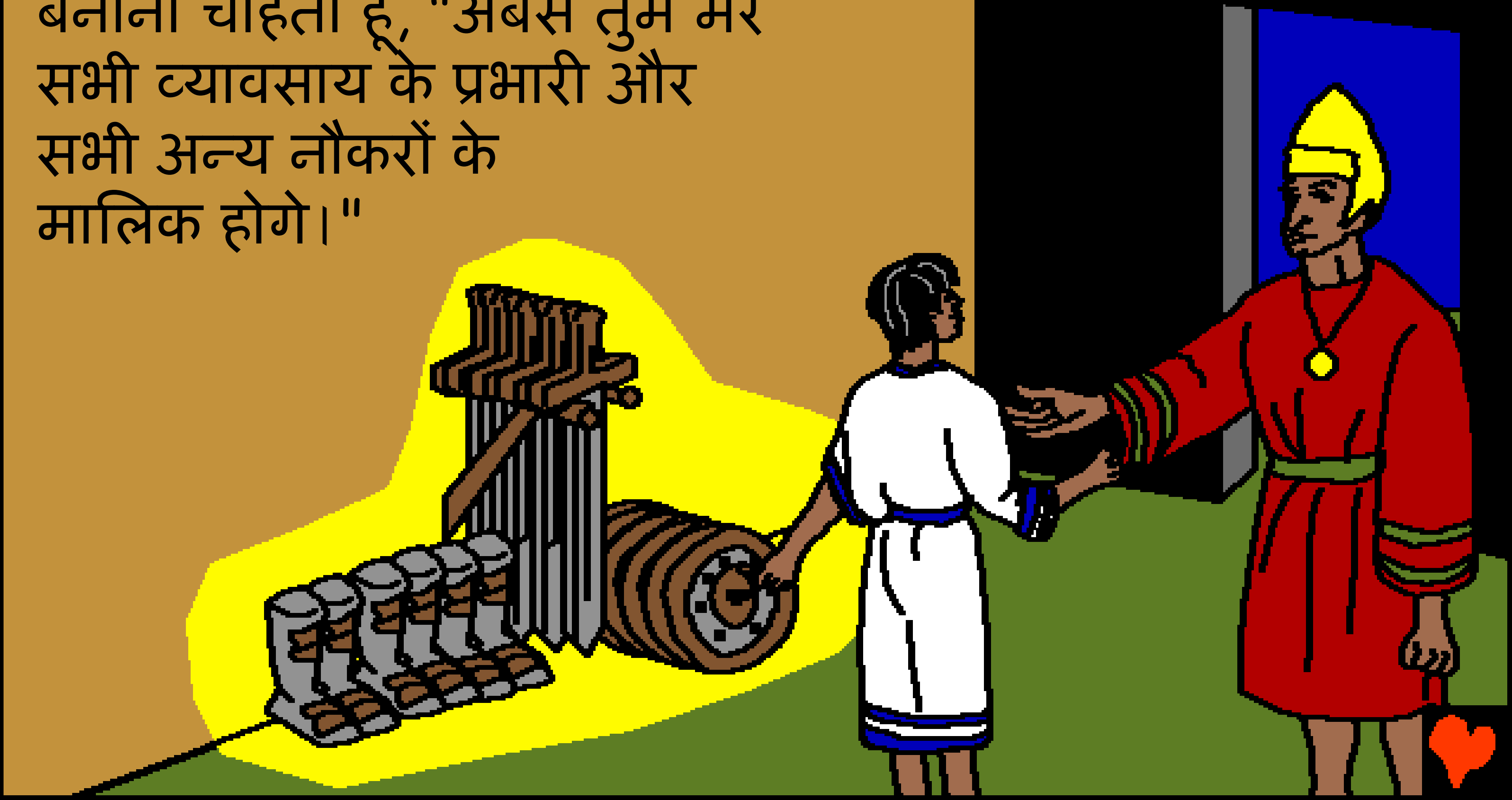

यूसुफ के कारण परमेश्वर ने पोतीपर को अच्छी फसल और विभिन्न धन दौलत दिया। अब यूसुफ एक महत्वपूर्ण आदमी था, तौ भी वह भरोसा और ईमानदारी से परमेश्वर की सेवा की। परन्तु यूसुफ के लिए एक फिर दिक्कत आयी।

पोतीपर की पत्नी एक दुष्ट औरत थी। उसने अपने पति की जगह लेने के लिए यूसुफ को कहा। यूसुफ इसे इनकार कर दिया। वह पोतीपर के विरुद्ध गलत करके परमेश्वर के खिलाफ पाप नहीं करना चाहता था।

जब औरत उसे मजबूर करने की कोशिश की, तब वह भाग गया।
लेकिन वह उसके कोट को पकड़ अपने पास रख लिया।

पोतीपर की पत्नी ने शिकायत की, "आपका दास मुझ पर हमला किया।" देखिये "यहाँ उसका कोट हैं!" पोतीपर क्रोधित था। हो सकता है, उसे पता था कि उसकी पत्नी झूठ बोल रही थी। लेकिन उसे कुछ तो करना था। वह क्या करने वाला था?

पोतीपर ने यूसुफ को
जेल में डाल दिया।
जबकि वह निर्दोष
था, तौभी यूसुफ
कड़वाहट में या
क्रोधित नहीं था।

शायद वह उन कठिनाइयों से सीख रहा था, कि यदि वह परमेश्वर को सम्मान देगा तो परमेश्वर भी उसे सम्मानित करेगा, यह मायने नहीं रखता कि वह कहाँ था - वह जेल में भी क्यों न हो।

एक प्रिय पुत्र का एक दास बन जाना

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

उत्पत्ति 37, उत्पत्ति 39

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16